# Index


**अध्याय 1: नीतिशास्त्र एवं मानवीय मूल्य........................................................1**

Previous Year Questions .................................................................... 1

नीतिशास्त्र क्या है?.................................................................................. 1

नैतिकता क्या है?.................................................................................... 2

नीतिशास्त्र और नैतिकता में अंतर.......................................................... 2

नीतिशास्त्र के परिणाम.......................................................................... 3

कानून.................................................................................................. 4

क़ानून एवं नीतिशास्त्र में अंतर...............................................................5

नीतिशास्त्र के प्रकार ..............................................................................5

मानकीय नीतिशास्त्र..............................................................................7

कुछ नैतिक अवधारणाएँ ........................................................................8

सामाजिक अनुबंध सिद्धांत (थॉमस हॉब्स).............................................. 9

नैतिक सापेक्षवाद (Moral Relativism)................................................... 9

नैतिक वस्तुनिष्ठवाद (Moral Objectivism) ............................................ 10

नियतिवाद का सिद्धांत (Theory of Determinism)................................... 10

संकल्प-स्वातंत्र्य का सिद्धांत.................................................................. 11

दोहरे प्रभाव का सिद्धांत (Doctrine of Double Effect)............................... 11

मानवीय मूल्य...................................................................................... 11

मूल्यों का वर्गीकरण.............................................................................. 12

प्रशासनिक मूल्य...................................................................................13

विभिन्न मूल्य........................................................................................ 14

अवगुण................................................................................................ 35

अभ्यास प्रश्न........................................................................................ 36

**अध्याय 2: नैतिक चिंताएँ, दुविधाएँ और नैतिक निर्णय................................ 37**

Previous Year Questions .................................................................... 37

केस स्टडी द्वारा नैतिक द्वन्द्र को समझना.................................................. 37

प्रशासन में नैतिक चिन्ता...................................................................... 38

नैतिक द्वन्द........................................................................................ 39

प्रशासन में नैतिक द्वन्द........................................................................ 42

नैतिक दुविधाओं को हल करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण......................... 45

प्रशासनिक निर्णय में कृत्रिम बौद्धिकता बनाम अंतर्विवेक............................ 46

प्रशासन में अत:करण/अतरात्मा............................................................. 47

नैतिक निर्णय-प्रक्रिया............ 50
मानवीय चिंता एवं प्रशासन से संबंधित उनके उदाहरण............ 52
नैतिक निर्णय-प्रक्रिया तथा उसमें योगदान देने वाले कारक............ 56
उपकरण परक (उद्देश्यपरक/साधन-साध्य) बौद्धिकता बनाम मूल्यपरक बौद्धिकता............ 59
अभ्यास प्रश्न............ 61
**अध्याय 3: वैश्विक विचारक और दार्शनिक............ 63**
Previous Year Questions ............ 63
मानकीय नीतिशास्त्र............ 64
सद्गुण नीतिशास्त्र / सदाचार नीतिशास्त्र............ 65
तर्क और जुनून (Passion) की अवधारणा............ 65
सोफिस्ट............ 66
सुकरात............ 67
प्लेटो............ 69
अरस्तू............ 73
परिणामवाद............ 76
सुखवाद/भोगवाद............ 76
उपयोगितावाद............ 77
एपिक्यूरियनवाद (आनंदवाद)............ 80
स्टोइकवाद (आत्मसंयमवाद)............ 81
कन्फ्यूशियसवाद (Confucianism)............ 82
कर्तव्यशास्त्र (Deontology)............ 82
इमानुएल काण्ट............ 83
जॉन रॉल्स ............ 85
डब्ल्यू डी रॉस............ 86
विकासवादी (Evolutionist)............ 87
जी ई मूर - प्रकृतिवादी तर्कदोष (Naturalistic fallacy)............ 88
अभ्यास प्रश्न............ 89
**अध्याय 4: निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता............ 90**
Previous Year Questions ............ 90
निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता में अंतर............ 91
निजी संबंधों का सार्वजनिक संबंधों पर असर............ 93
सार्वजनिक संबंधों का निजी संबंधों पर असर............ 95
परिवार, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों को विकसित करने में योगदान............ 97
मूल्यों के विकास में परिवार की भूमिका............ 98
समाज का मानवीय मूल्यों को विकसित करने में योगदान............ 100
शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों को विकसित करने में योगदान............ 106
अभ्यास प्रश्न............ 109

**अध्याय 5: गांधीवादी नैतिकता....................110**
Previous Year Questions .................... 110
महात्मा गांधी के सिद्धांत.................... 111
पांच व्रत (पंच महाव्रत).................... 113
11 प्रतिज्ञाएँ.................... 119
गांधी और धर्म.................... 121
गांधीजी के राजनीतिक विचार.................... 122
गांधीजी के आर्थिक विचार....................123
गांधी का सर्वोदय.................... 124
गांधी और पर्यावरण.................... 125
गांधी और मनुष्य.................... 126
गांधीजी और स्वच्छता.................... 127
साध्य बनाम साधन पर गांधी.................... 128
स्वराज.................... 128
सात पापों की अवधारणा.................... 129
टैगोर बनाम गांधी.................... 130
गाँधी Vs आंबेडकर.................... 131
सुभाष चंद्र बोस बनाम गांधी.................... 133
अभ्यास प्रश्न.................... 134
**अध्याय 6: भगवत गीता का नीतिशास्त्र.................... 136**
Previous Year Questions .................... 136
गीता का महत्व.................... 137
गीता की व्याख्या.................... 137
परिचय.................... 138
अर्जुन का नैतिक द्वन्द....................139
प्रशासन मे नैतिक द्वन्द.................... 139
नैतिक द्वन्द की स्थिति को हल करने में गीता की भूमिका....................139
योग.................... 141
स्थितप्रज्ञ.................... 143
निष्काम कर्म.................... 144
स्वधर्म....................145
वर्ण व्यवस्था.................... 146
तीन गुण.................... 147
लोकसंग्रह....................148
कर्म योग.................... 149
भक्ति योग.................... 149
राज योग.................... 150
प्रवृत्ति और निवृत्ति .................... 150

योग क्षेम........................................................................................................ 150
गीता के सिद्धांत और प्रशासन में उनका अनुप्रयोग.......................................................151
अभ्यास प्रश्न................................................................................................... 156

**अध्याय 7: ऋत, ऋण और कर्तव्य की अवधारणा........................................ 157**

Previous Year Questions ........................................................................ 157
नैतिक अवधारणाएँ ........................................................................................ 157
ऋत (Rit/Ryt/Rita)........................................................................................ 158
ऋण (Rin)....................................................................................................... 161
कर्मवाद (Karmavada)................................................................................... 165
भारतीय प्रशासन में कर्मवाद.......................................................................... 167
ऋत और ऋण: कर्मवाद से प्रेरण...................................................................... 168
कर्तव्य की अवधारणा (Concept of Duty)...................................................... 168
विभिन्न दर्शनों के अनुसार कर्तव्य.....................................................................168
कर्तव्यों का पदानुक्रमिक वर्गीकरण ...................................................................169
कर्तव्यों का अन्य वर्गीकरण............................................................................. 170
कर्तव्य और अधिकार...................................................................................... 171
अभ्यास प्रश्न................................................................................................... 172

**अध्याय 8: शुभ और सद्गुण की अवधारणा एवं सुशासन.................................174**

शुभ की अवधारणा .......................................................................................... 174
सद्गुण............................................................................................................ 175
विभिन्न दार्शनिकों के अनुसार सद्गुण............................................................... 175
सुशासन.......................................................................................................... 177
नागरिक चार्टर............................................................................................... 178

**अध्याय 9: नैतिक अभिवृत्ति और आचार संहिता............................................ 179**

Previous Year Questions ........................................................................ 179
प्रशासकों का आचरण, मूल्य एवं राजनैतिक अभिवृत्ति......................................... 180
संज्ञानात्मक असंगति सिद्धांत...........................................................................183
संज्ञानात्मक संगति सिद्धांत............................................................................. 184
एक प्रशासक का आदर्श व्यवहार..................................................................... 184
नैतिक अभिवृत्ति............................................................................................. 184
राजनीतिक अभिवृत्ति....................................................................................... 185
आचार संहिता................................................................................................. 187

**अध्याय 10: हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म.........................................................190**

Previous Year Questions ........................................................................ 190
बौद्ध धर्म.........................................................................................................190
जैन धर्म.......................................................................................................... 193
हिन्दू धर्म......................................................................................................... 184

**अध्याय 11: केस स्टडीज़............................................................200**

केस स्टडी को कैसे हल करें.............................................................. **200**
समाधान को नैतिक दृष्टिकोण से कैसे उचित ठहराया जाए.......................................... **201**
किसी विकल्प को अस्वीकार कैसे करें...................................................... **201**
उत्तर में प्रयोग करने के लिए नैतिक शब्दावली.............................................. **201**
रचनात्मक सुझाव....................................................................... **202**
आइए उपरोक्त सभी बिंदुओं को एक केस स्टडी में लागू करें.................................... **202**
नीचे दिए गए केस स्टडी में नैतिक मुद्दे समाधान........................................... **207**
केस स्टडी UPSC 2024.................................................................. **209**
हितधारक (Stakeholders involved) ...................................................... **210**

**अध्याय 12: महापुरूषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा.......... ........................................................................ 214**

# Ethics Syllabus

- ❖ नीतिशास्त्र एवं मानवीय मूल्य- महापुरूषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा। परिवार, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों को विकसित करने में योगदान|
- ❖ नैतिक संप्रत्यय- ऋत एवं ऋण, कर्मवाद से प्रेरण, कर्त्तव्य की अवधारणा, शुभ एवं सद्गुण की अवधारणा ।
- ❖ निजी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र की भूमिका- प्रशासकों का आचरण, मूल्य एवं राजनैतिक अभिवृत्ति, सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार। निष्पक्षता, असंलिप्तता ।
- ❖ उदार समाज: पारदर्शिता, मीडिया और नौकरशाही
- ❖ भगवद् गीता का नीतिशास्त्र एवं प्रशासन में इसकी भूमिका |
- ❖ गांधी का नीतिशास्त्र।
- ❖ भारतीय एवं विश्व के नैतिक चिंतकों एवं दार्शनिकों का योगदान
- ❖ प्रशासन में नैतिक चिन्ता, द्वन्द एवं चुनौतियां। प्रशासनिक निर्णय में कृत्रिम बौद्धिकता बनाम अंतर्विवेक।
- ❖ नैतिक निर्णय-प्रक्रिया तथा उसमें योगदान देने वाले कारक; सामाजिक न्याय, मानवीय चिन्ता, शासन में जवाबदेही एवं नैतिक आचार संहिता। उपकरण परक (उद्देश्यपरक/साधन-साध्य) बौद्धिकता बनाम मूल्यपरक बौद्धिकता
- ❖ उपरोक्त विषयों पर अ-तथ्यपरक केस अध्ययन

# 1 नीतिशास्त्र एवं मानवीय मूल्य

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2013 | नीतिशास्त्र विविध आयामों से युक्त एक संवृत्ति है। टिप्पणी करें | 5 M |
| 2013 | 'निष्पक्षता' को परिभाषित करें । इसके आधारभूत तत्त्व क्या हैं ? | 2 M |
| 2013 | आपके मत में, लोक प्रशासन में मुख्य नैतिक मूल्य क्या होने चाहिए ? | 2 M |
| 2016 | संकल्प-स्वातंत्रय का अर्थ क्या है ? | 2 M |
| 2018 | सिविल सेवा के मुख्य मूल्य क्या हैं ? | 2 M |
| 2023 | मानवीय मूल्यों के विभेदक लक्षणों का उल्लेख  कीजिए। | 5 M |
| 2024 | 'नैतिक नियतिवाद' स्पष्ट कीजिए। | 2 M |
| 2024 | क्या प्रशासकीय वस्तुनिष्ठता प्रशासनिक सत्यनिष्ठा की पूर्वापेक्षा रखती है ? | 5 M |
| 2024 | "गहन नैतिकता के अभाव में उच्च नागरिकी संभव नहीं है, चाहे वह इस नाम से न भी जानी जाती हो"- R.W. इमर्सन। चर्चा कीजिए। | 5 M |

## नीतिशास्त्र क्या है?

- ❖ नीतिशास्त्र एक मानकीय विज्ञान और दर्शन शास्त्र की एक शाखा है, जो यह निर्धारित करती है कि एक संवेदनशील प्राणी को किस प्रकार के कर्म करने चाहिए, ताकि वह कर्म नैतिक रूप से अच्छे या बुरे, सही या गलत, और उचित या अनुचित के रूप में चिन्हित किए जा सके।
- ❖ एथिक्स शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'एथिकोस' से हुई है जिसका अर्थ है चरित्र। अत: नैतिकता उन सिद्धांतों (Principles) का समुच्चय है जो यह निर्धारित करने में सहायता करते हैं कि क्या सही है और क्या गलत।
- ❖ **मैकेन्जी के अनुसार** "नीतिशास्त्र मानव आचरण (आदत) के पीछे निहित सिद्धांतों का परीक्षण करता है और उनके अच्छे या बुरे होने के कारणों का विश्लेषण करता है।"
- ❖ **शुक्रनीति नीति के अनुसार** "नीतिशास्त्र सभी शास्त्रों का उपजीव्य (आधार) और लोक स्थिति का व्यवस्थापक है। इसलिए यह  धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, इन चार पुरूषार्थो का प्रदाता है "।

नीतिशास्त्र

सकारात्मक नीतिशास्त्र

तथ्यों पर आधारित परिणाम की घोषणा
Ex - आरबीआई ने रेपो रेट बढ़ाया = महंगाई दर कम होगी

मानक नीतिशास्त्र

क्या किया जाना चाहिए या । क्या नहीं किया जाना चाहिए जैसी राय शामिल
उदाहरण - क्या सरकार को मुद्रास्फीतिजनित मंदी के दौरान रेपो दर बढ़ानी चाहिए?

## नैतिकता क्या है?

- ❖ नैतिकता, सिद्धांतों का एक व्यक्तिगत समूह है, जो किसी व्यक्ति की धारणा, विचार, अभिवृत्ति, व्यवहार, और कार्यों को मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- ❖ नैतिकता व्यक्तिगत चरित्र को परिभाषित करती है।

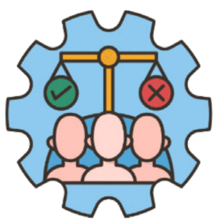

VS

नीतिशास्त्र    नैतिकता

## नीतिशास्त्र और नैतिकता में अंतर

| कारक | नीतिशास्त्र | नैतिकता |
|---|---|---|
| **परिभाषा** | नियम अथवा सिद्धांत जिनका समाज या पूरा समूह पालन करता है। | व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं का समूह |
| **प्रभाव** | सामाजिक मानदंडों को परिभाषित करती है | व्यक्तिगत चरित्र को परिभाषित करती है |
| **केंद्र** (Locus) | बाह्य | आंतरिक |
| **व्यक्तिपरकता** (Subjectivity) | कम ⟶ अधिक वस्तुनिष्ठता | अधिक व्यक्तिपरकता |
| **व्यवहार्यता** | अधिक सैद्धांतिक | अधिक व्यावहारिक |

# 2 नैतिक चिंताएँ, दुविधाएँ और नैतिक निर्णय

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2021 | "नैतिक निर्णय" लेने में महत्त्वपूर्ण कारकों को समझाइए । यदि नैतिक निर्णय प्रशासनिक निर्णय के विरुद्ध हो, आप दोनों में किस प्रकार समन्वय करेंगे? सोदाहरण समझाइए। | 10 M |
| 2023 | नैतिक द्वन्द्र से आप क्या समझते हैं ? क्या किसी नैतिक संघर्ष की स्थिति में वैयक्तिक नैतिकता को वृत्तिपरक नैतिकता पर वरीयता दी जानी चाहिए ? | 10 M |
| 2021 | नैतिक द्वंद्व से आप क्या समझते हैं? | 2 M |
| 2021 | आमतौर पर एक स्वस्थ और उत्पादक जीवन जीने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम बुनियादी जरूरतें क्या मानी गयी हैं? इन न्यूनतम को सुनिश्चित करने में एक प्रशासक की क्या जिम्मेदारी है? | 5 M |
| 2018 | आपके अनुसार प्रशासनिक अधिकारी के मानसिक तनाव के क्या मुख्य कारण होते हैं ? समझाइए। | 5 M |

## केस स्टडी द्वारा नैतिक द्वन्द्र को समझना

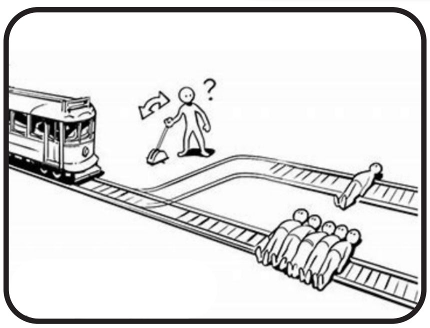
(1)

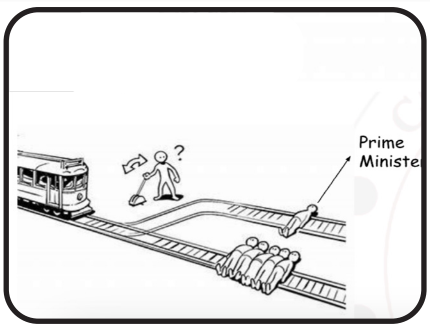

(2)

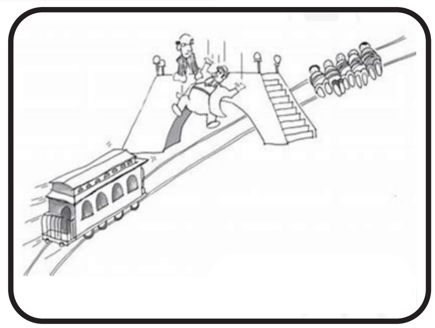
(3)

**उपरोक्त तीनों तस्वीरें एक केस स्टडी से संबंधित हैं।**

**दृश्य** 1 -

❖ एक ट्रेन आ रही है जिसके ब्रेक फेल है और आप अपनी ड्यूटी पर हैं। आप देखते हैं कि एक ट्रैक (पटरी) पर एक व्यक्ति बंधा है और दूसरी ट्रैक पर पाँच लोग बंधे हैं। आपको लीवर खींचकर ट्रेन को किसी एक ट्रैक पर ले जाना है। आप क्या निर्णय लेंगे?

**दृश्य** 2 -

❖ आप पाते है की जो एक व्यक्ति बंधा हुआ है वो देश का प्रधानमंत्री है जबकि दूसरे ट्रैक पर बँधे पाँच व्यक्ति सामान्य नागरिक है। तो अब आपका निर्णय क्या होगा ?

# 3 वैश्विक विचारक और दार्शनिक

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2016 | प्लेटो के मुख्य सदगुणों के नाम लिखिए। | 2 M |
| 2016 | जे.एस. मिल के अनुसार 'उपयोगितावाद' का क्या अर्थ है ? | 2 M |
| 2016 | कांट के अनुसार 'निरपेक्ष आदेश' के अर्थ को स्पष्ट कोजिए। | 2 M |
| 2016 | कांट के अनुसार नैतिकता की पूर्वमान्यताएँ स्पष्ट कीजिए। | 5 M |
| 2016 | सुकरात के अनुसार 'सदगुण' को परिभाषित करें। | 2 M |
| 2018 | प्लेटो न्याय को कैसे परिभाषित करते हैं ? | 2 M |
| 2018 | प्लेटो के न्याय सिद्धान्त में साहस और संयम अन्तर्निहित है ।आधुनिक समाज व प्रशासन में क्या वे आज भी युक्ति संगत हैं ? | 10 M |
| 2021 | महापुरुषों और सुधारकों की शिक्षाएँ कभी पुरानी नहीं होतीं। आधुनिक संदर्भ में उनका महत्व बताइए। | 10 M |
| 2023 | कांट के अनुसार 'शुभ-संकल्प' क्या है ? | 2 M |
| 2023 | प्लेटो के अनुसार मुख्य सद्गुण कौन से हैं ? | 2 M |
| 2023 | परिणामनिरपेक्षवाद एवम् परिणामसापेक्षवाद की विशेषताएँ बताइए। इन दोनों दृष्टिकोणों में से प्रशासक के लिए अधिक उपयुक्त कौन सा है ? क्यों ? | 10 M |
| 2024 | मेरा स्थान और तत्संबंधी कर्त्तव्य 'स्पष्ट कीजिए। | 2 M |
| 2024 | सुखवाद किस प्रकार विरोधाभासी हो सकता है ? चर्चा कीजिए। | 5 M |
| 2024 | 'मानव संसाधन ' का विचार, 'मानवता एक साध्य' के विचार से किस प्रकार सुसंगत है ? लोक - कल्याणकारी राज्य के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण कीजिए। | 10M |

| महत्वपूर्ण दार्शनिक | अन्य महत्वपूर्ण सिद्धांत |
|---|---|
| ❖ सुकरात<br>❖ प्लेटो<br>❖ अरस्तू<br>❖ कांट<br>❖ डेविड ह्यूम<br>❖ मूर (Moore)<br>❖ जॉन रॉल्स | ❖ सुखवाद<br>❖ एपिक्यूरियनवाद<br>❖ स्टोइकवाद (आत्मसंयमवाद/ वैराग्यवाद)<br>❖ विकासवादी |

# 4 निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2018 | मानवीय मूल्यों के संवर्द्धन में समाज की भूमिका समझाइए । | 5 M |
| 2021 | मनुष्य की नैतिक उन्नति समाज की सर्वांगीण उन्नति पर निर्भर करती है। विवेचना कीजिए । | 5 M |
| 2021 | परिवार मनुष्य के नैतिक विकास की सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। | 5 M |
| 2024 | औपचारिक शिक्षा अथवा सामाजिक अन्तर्निवेशन: उक्त दोनों में से उत्तम प्रशासन के लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण है ? | 5 M |

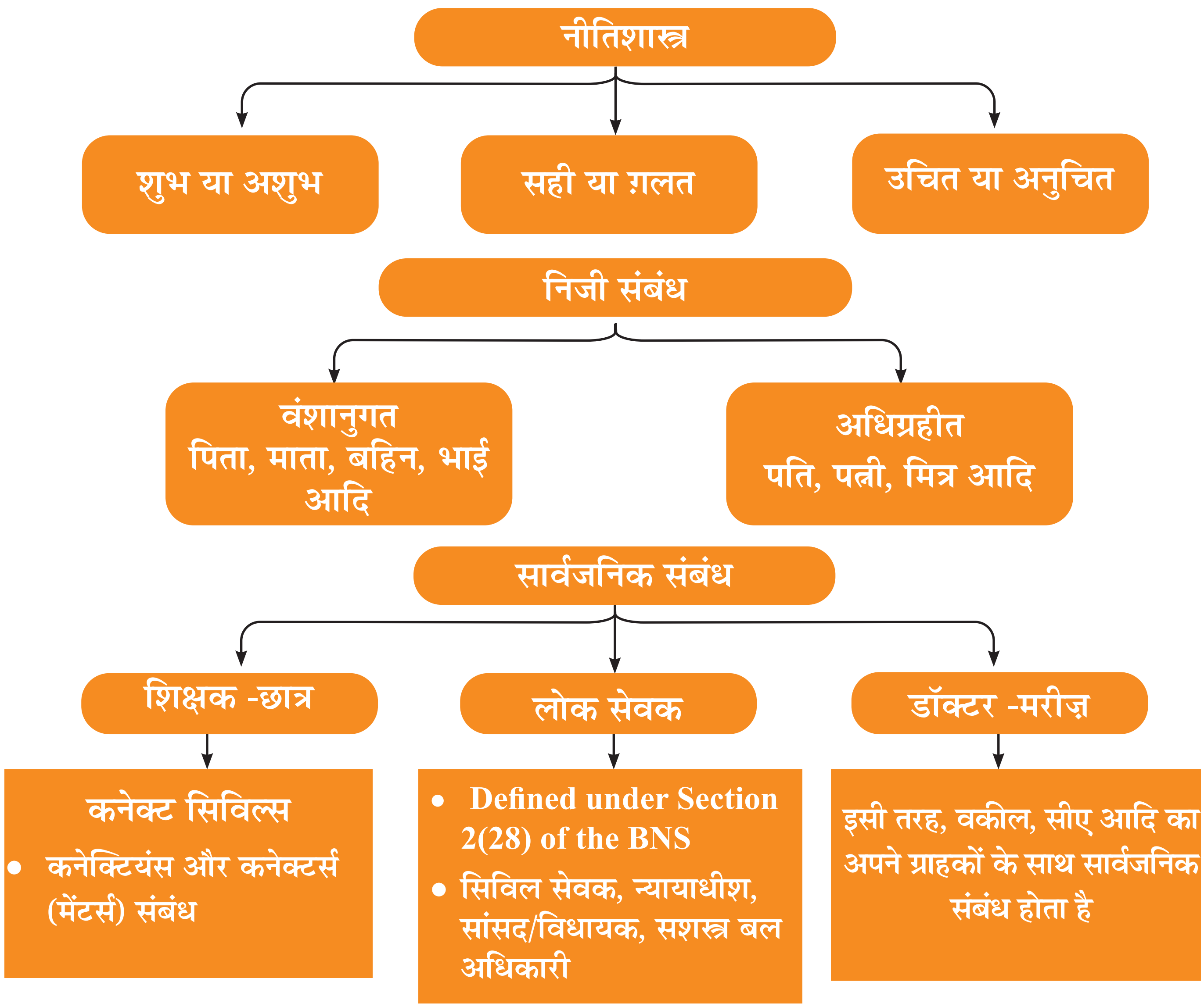

# 5 गांधीवादी नैतिकता

**दे दी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल,**
**साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल ।**

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2018 | अहिंसा' गाँधी की नैतिकता का केंद्रीय मूल्य क्यों है ? | 2 M |
| 2018 | श्रम एक पूँजी है और जीवधारी पूँजी अक्षय है, मैं पूँजी और श्रम में न्यायसंगत संबंध की स्थापना करना चाहता हूँ । मैं एक का अन्य के ऊपर प्रभुत्व नहीं चाहता हूँ । महात्मा गाँधी के संदर्भ में व्याख्या कीजिए। | 5 M |
| 2021 | सुशासन तथा लोक सेवाओं में नैतिकता के लक्ष्य गाँधीजी द्वारा बतायी गयी सात सामाजिक बुराइयों की अवधारणा को जानकर प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्लेषण कीजिए। | 10 M |
| 2021 | अनिवार्यत: सम्बन्धित होने के कारण साधनों को साध्य से पृथक नहीं किया जा सकता, अत: वास्तविक और स्थाई सफलता के लिए दोनों का शुभ होना आवश्यक है। गाँधी नीतिशास्त्र के सन्दर्भ में उक्त टिप्पणी को स्पष्ट करें। | 10 M |
| 2023 | गांधी के अनुसार 'स्वराज' का आदर्श क्या है ? | 5 M |

## विशेषताएँ

❖ गांधी कोई अकादमिक विचारक नहीं हैं, वे एक जन नेता हैं

**उनका नीतिशास्त्र निम्न कारकों का परिणाम है -**

❖ उनकी आंतरिक धार्मिक मान्यताएँ

# 6 भगवत गीता का नीतिशास्त्र

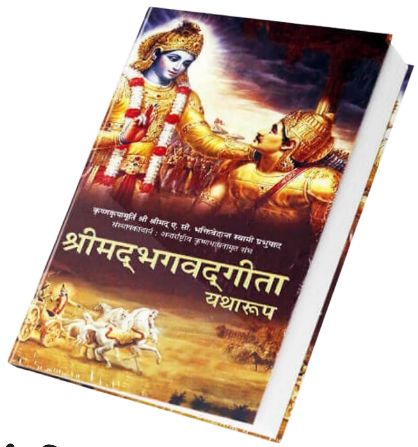


**यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।**
**अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ।।**

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2016 | गीता के अनुसार 'परधर्म' को स्पष्ट कीजिए | 2 M |
| 2016 | गीता के अनुसार 'परधर्म' को स्पष्ट कीजिए | 5 M |
| 2016 | गीता के अनुसार 'स्वधर्म' को परिभाषित कीजिए। | 2 M |
| 2016 | गीता के अनुसार 'निष्काम कर्मयोग' की धारणा का वर्णन कीजिए । | 5 M |
| 2018 | प्रशासन का उद्देश्य लोक-कल्याण है । गीता का कौन सा सिद्धान्त इस आशय की पुष्टि करता है ? | 2 M |
| 2018 | भगवद् गीता किस तरह अर्जुन के समक्ष द्वंद्व का निराकरण करती है ? प्रशासनिक अधिकारी के रूप में आप प्रशासनिक दुविधा के निराकरण में किस तरह गीता के सिद्धान्तों का प्रयोग कर सकते हैं ? | 10 M |
| 2021 | प्रशासनिक कर्तव्य के निर्वहन में 'स्थित प्रज्ञ' की संकल्पना की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। | 2 M |
| 2021 | भगवद् गीता का 'अनासक्ति सिद्धांत' किस प्रकार किसी प्रशासक के जीवन में महत्वपूर्ण है? | 2 M |

# 7 ऋत, ऋण और कर्तव्य की अवधारणा

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2013 | भारतीय परम्परा में ऋण की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। | 5 M |
| 2018 | किस प्रकार “ऋत' की धारणा प्रशासनिक उत्कृष्टता को संवर्धित करती है ? | 2 M |
| 2021 | प्रशासनिक जीवन में “ऋण” के नैतिक आदर्श की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए । | 2 M |
| 2023 | समसामयिक समाज ऋण की वैदिक अवधारणा से किस प्रकार लाभान्वित हो सकता है ? | 5 M |

## नैतिक अवधारणाएँ

- वे सिद्धांत जो नैतिकता की उत्पत्ति पर चर्चा करते हैं और मनुष्य के धारणा, विचार, दृष्टिकोण, व्यवहार और कार्य पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाकर सही मार्गदर्शन करते हैं।
- यह अधिनीतिशास्त्र का भाग है क्योंकि इसमें नैतिकता और नैतिक सिद्धांतों की उत्पत्ति पर चर्चा की जाती है।
- **उदाहरण** - ऋत एवं ऋण, कर्त्तव्य की अवधारणा, शुभ एवं सद्गुण की अवधारणा।

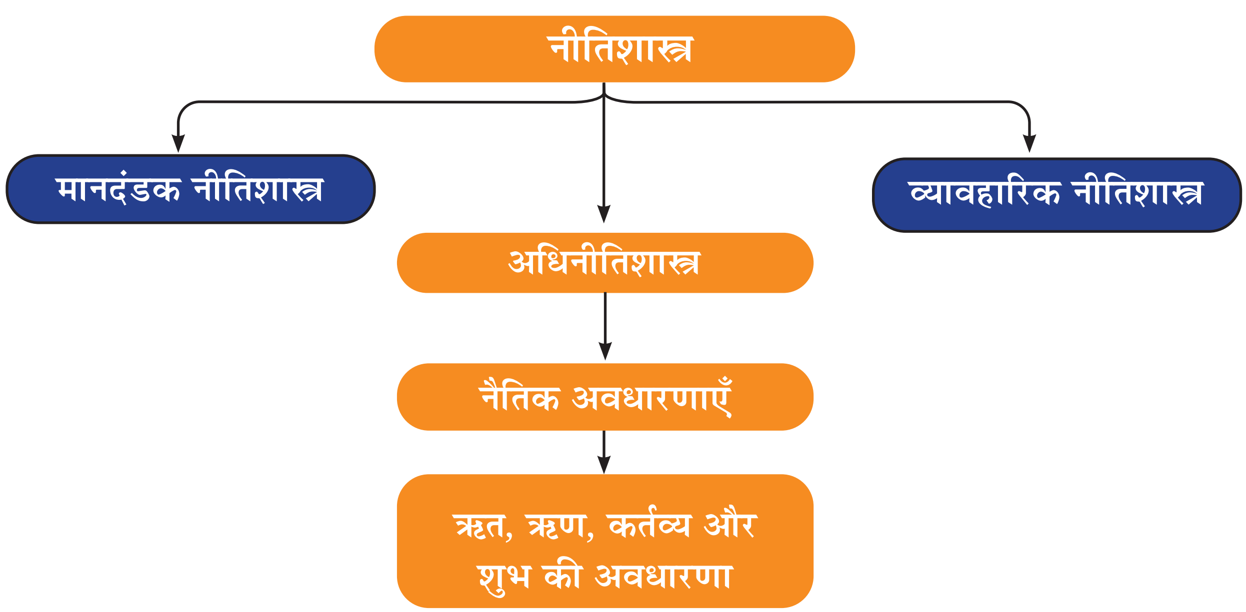

# 8 शुभ और सद्गुण की अवधारणा एवं सुशासन

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| 2016 | 'शुभ संकल्प' पर कांट के दृष्टिकोण को लिखिए | 5 M |
| 2016 | शासन में नागरिक समाज (सिविल सोसायटी) की बढ़ती भूमिका का विवेचन कीजिए | 10 M |
| 2021 | कांट किस प्रकार सापेक्ष एवं निरपेक्ष आदेश के आधार पर अंतिम शुभ की व्याख्या करता है, समझाइए। | 5 M |
| 2024 | सद्गुण  को माध्य के रूप में स्पष्ट कीजिए। | 2 M |
| 2024 | शुभ' का अर्थ क्या है ? आपका शुभ-विषयक विचार एक उत्तम प्रशासन  की संरचना में किस प्रकार सहायक होगा ? | 10 M |

## शुभ की अवधारणा

- 'गुड' (शुभ) शब्द जर्मन शब्द 'गट' से लिया गया है जिसका अर्थ है कोई भी मूल्यवान या उपयोगी वस्तु।
- नीतिशास्त्र में 'शुभ' शब्द का प्रयोग नैतिक गुणों को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

**शुभ दो प्रकार का होता है**

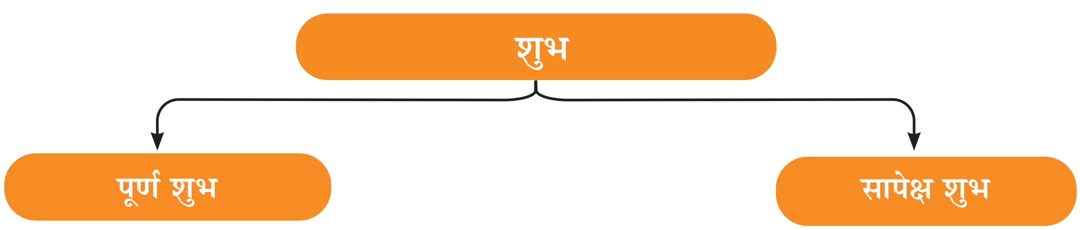


- **सापेक्ष शुभ** साधन के रूप में शुभ है, अर्थात, यह शुभ, स्वयं में वांछनीय नहीं है, बल्कि किसी अन्य उच्चतर शुभ के लिए एक साधन मात्र है ।
- **पूर्ण/निरपेक्ष शुभ** स्वयं वांछित है, और किसी भी अन्य श्रेष्ठ शुभ के अधीन नहीं है। यह मानव गतिविधि का अंतिम साध्य (परम लक्ष्य) है।
- **उदाहरण**
  - **सापेक्ष शुभ** - अच्छा पोषण, व्यायाम आदि।
    **निरपेक्ष शुभ** - अच्छा स्वास्थ्य
  - **सापेक्ष शुभ** - अनुशासित स्वाध्याय
    **निरपेक्ष शुभ** - परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होना
  - **सापेक्ष शुभ** - धर्म, अर्थ और काम।

# 9 नैतिक अभिवृत्ति और आचार संहिता

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| **शासन में जवाबदेही** | | |
| 2013 | 'सुशासन' की मुख्य विशेषताए क्या है ? | 5 M |
| 2013 | भारत में नागरिक अधिकार पत्र के क्षेत्र में क्या प्रगति हुई है ? इनके सकारात्मक प्रभाव तथा सीमाओं को व्याख्या करें ।? | 5 M |
| 2021 | एक दूसरे की सफलता बेहतर प्रशासन के लिए सीख देती है। इस कथन का विश्लेषण उदाहरणों द्वारा कीजिए। | 10 M |
| **नैतिक आचार संहिता** | | |
| 2013 | यदि आपको भारतीय लोक सेवकों के लिये 'नैतिक आचार संहिता' निर्मित करने के लिए कहा जाय, तो आप किन पांच सिद्धांतों को प्राथमिकता प्रदान करेंगे? | 5M |
| **सामाजिक न्याय, मानवीय चिन्ता** | | |
| 2013 | समाज में निर्बल वर्गों के प्रति लोक सेवकों को अधिक करुणामय बनाने हेतु तीन सुझाव दें। | 5 M |
| 2018 | अतिवाद घातक है ।हम इससे कैसे बच सकते हैं ? | 5 M |
| 2023 | समाज सुधार की दिशा में प्रशासन की भूमिका की चर्चा करे। | 10 M |
| **प्रशासकों का आचरण, मूल्य एवं राजनैतिक अभिवृत्ति, सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार** | | |
| 2018 | राजनैतिक तटस्थता सुशासन सुनिश्चित करती है ।व्याख्या कीजिए । | 5M |
| 2024 | क्या आपके विचार में प्रशासनिक निर्णय राजनैतिक पूर्वाग्रह से मुक्त होते है ? | 5 M |

# 10 हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म

| Previous Year Questions | | |
|---|---|---|
| **महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन और शिक्षाओं से सीख** | | |
| 2021 | बुद्ध की कौनसी शिक्षा आज सर्वाधिक प्रासंगिक है और क्यों? | 2 M |
| 2021 | लोकनायकों व सुधारकों के उपदेश कभी भी पुराने नहीं होते हैं । आधुनिक संदर्भ में उनकी महत्ता को उजागर कीजिए | 10 M |
| 2023 | 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ बताइए\| | 2 M |
| 2023 | 'अहिंसा परमो धर्म:' का अर्थ क्या है ? | 2 M |
| 2023 | बौद्ध मत में 'उपाय-कौशल' का अभिप्राय क्या है | 2 M |
| 2023 | टैगोर के अनुसार, 'मानव का आधिक्य' क्या है? | 5 M |
| 2023 | दिव्य जीवन' से अरविंद का क्या आशय है ? | 5 M |
| 2024 | 'सम्यक चरित्र ' स्पष्ट कीजिए। | 2 M |
| 2024 | दु:ख -निरोध - मार्ग 'क्या है ? | 2 M |

## बौद्ध धर्म

### प्रशासन में बुद्ध की शिक्षाओं का महत्व

**4 आर्य सत्य -**

- ❖ दु:ख का सत्य (दु:ख)
  - ➢ जीवन स्वाभाविक रूप से दु:खपूर्ण है, जिसमें जन्म, बुढ़ापा, रोग और मृत्यु शामिल हैं।

# 11 केस स्टडीज़

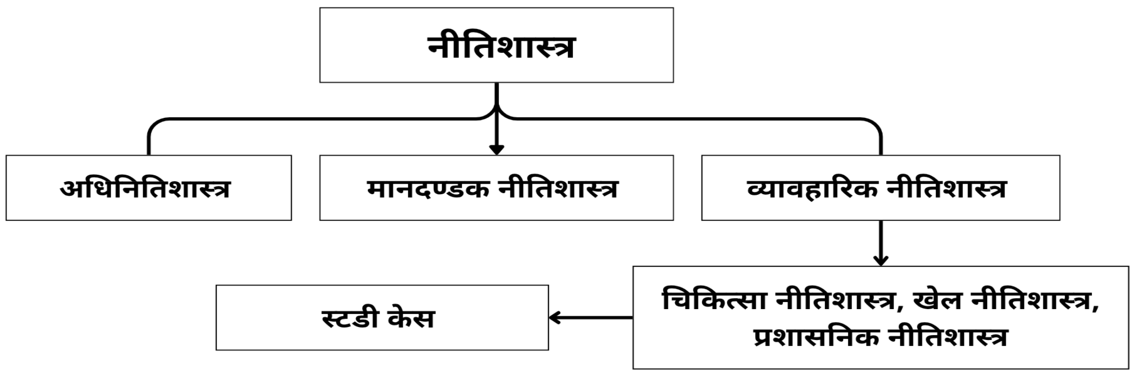


## केस स्टडी को कैसे हल करें

1. परिचय या समस्या कथन लिखें
2. हितधारकों को लिखें
3. इसमें शामिल द्वन्द, नैतिक मुद्दे - मूल्यों का उल्लंघन, दर्शन, नारे, कानूनी और संवैधानिक मूल्य आदि लिखें
4. उन सभी के लिए समाधान दें, सबसे अनुचित से सबसे उचित उपाय तक व्यवस्थित करेंअल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय के रूप में व्यवस्थित करें
5. नैतिक सिद्धांतों, कानूनी सिद्धांतों, राष्ट्रीय हितों, दर्शन आदि पर प्रत्येक समाधान का औचित्य सिद्ध करें
6. आउट-ऑफ़-बॉक्स समाधान - क्राउडफंडिंग, सीएसआर, तृतीय-पक्ष ऑडिट, पेशेवर परामर्श, शोक संतप्त परिवार को मुआवजा

**नोट** 1 - प्रत्येक प्रश्न को समान महत्व दें।

उदाहरण के लिए 3 प्रश्नों के लिए 1 पृष्ठ तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए 1/3 पृष्ठ।

**नोट** 2 - समाधान को अल्पावधि तथा दीर्घावधि में विभाजित करने का प्रयास करें तथा अपने समाधान को उचित ठहराएँ

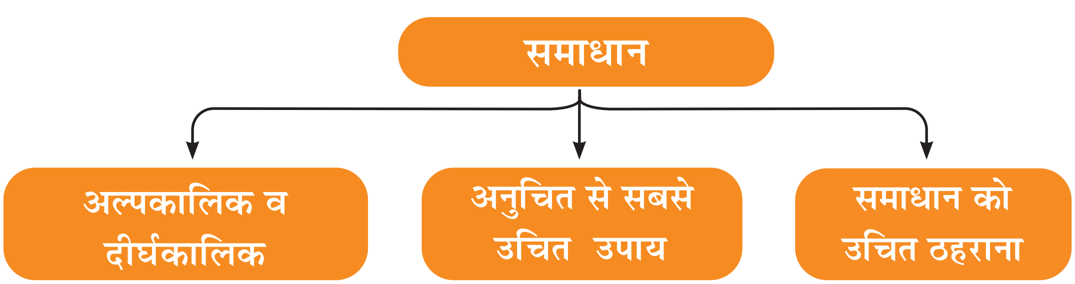

# 12

# महापुरूषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा

- इस विषय से RPSC अक्सर Random प्रश्न पूछता है, जैसे - 'Surplus in Men' (रवीन्द्रनाथ टैगोर) और 'The Life Divine' (श्री अरविन्द) आदि।
- इन विषयों को कवर करने का Cost-Benefit Ratio बहुत ज़्यादा है।
- दार्शनिक -
  - स्वामी विवेकानन्द
  - रवीन्द्रनाथ टैगोर
  - श्री अरविन्द
  - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
  - अमर्त्य सेन
  - दयानन्द सरस्वती
  - राजा राममोहन राय
  - बी.आर. अम्बेडकर आदि
- इस पाठ्य सामग्री को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है (Scan the QR Code below)
- (यदि पूरी तरह समझ में न आए तो भी अधिक तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है।)
- इसे तभी पढ़ें, जब आप सम्पूर्ण मुख्य परीक्षा (Mains) पाठ्यक्रम को कम-से-कम 2–3 बार पूरा कर चुके हों।